ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-08-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-08-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-08-15	2025-08-16	2025-08-17	2025-08-18	2025-08-19
वर्षा (मिमी)	35.0	15.0	40.0	35.0	20.0
अधिकतम तापमान(से.)	29.0	31.0	30.0	29.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	26.0	26.1	26.1	25.9
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	86	87	88	89
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	90	85	90	90	90
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	7	7	4	3
पवन दिशा (डिग्री)	100	110	120	100	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	8	7	8	8	8
चेतावनी	बहुत भारी बारिश; आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि	आंधी और बिजली, तूफ़ान आदि

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सप्ताह (7 से 13 अगस्त) क्षेत्र में 53.0 मिमी वर्षा हुई और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 28.5 से 33.4oC और 25.0 से 27.3oC रहा। सुबह और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता क्रमशः 92-95% और 69-90% के बीच रही, जबकि हवा पश्चिम, उत्तर, दक्षिण-पूर्व, पूर्व-उत्तर-पूर्व, पश्चिम-उत्तर-पश्चिम और पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से 1.4-5.5 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। पिछले सप्ताह अधिकांश दिन बारिश वाले रहे। आगामी पूर्वानुमान के अनुसार 15-35 मिमी हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है और अधिकतम-न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0-31.0oC और 25.9-26.1oC रहने की उम्मीद है। हवा पूर्व-दक्षिण, दक्षिण-पूर्व-पूर्व और पूर्व-दक्षिण-पूर्व दिशा से 3-7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। 14 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश/बिजली के साथ आंधी/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश के संबंध में नारंगी अलर्ट जारी किया गया है और 15, 16, 17, 18 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बिजली के साथ आंधी/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश के संबंध में पीला अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

अलग-अलग स्थानों पर वर्षा/आंधी/बिजली/तीव्र वर्षा के संबंध में नारंगी और पीले रंग की चेतावनी।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

जलभराव, बुवाई और छिड़काव कार्यों में व्यवधान। उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में छिड़काव कार्य स्थगित कर देना चाहिए।

सामान्य सलाहकार:

किसान और अन्य संबंधित समुदाय नियमित मौसम की जानकारी और वर्षा अलर्ट के लिए "मौसम" ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे अन्य ऐप भी क्रमशः मौसम संबंधी और बिजली संबंधी आंकड़ों के नियमित अपडेट के लिए उपलब्ध हैं। सभी ऐप्स गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 15.08.2025 से 21.08.2025 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार भारी वर्षा की स्थिति में उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए तथा हल्की वर्षा वाले दिनों में अन्य कृषि कार्य किए जा सकते हैं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए। भारी वर्षा के बाद, मिट्टी में नमी की इष्टतम स्थिति में खरपतवारनाशक का प्रयोग और यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ भारी वर्षा के दिनों के बाद निर्धारित की जानी चाहिए।
मक्का	फसल की उचित निगरानी करें और ब्लाइट (पीले या भूरे रंग के अंडे के आकार के धब्बे) दिखाई देने पर मैंकोज़ेब या ज़िनेब 75 डब्लू पी 1.5 -2.0 किग्रा मात्रा को 750-800 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर डालें। दूसरा छिड़काव 10-15 दिनों के अंतराल पर करें। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रानिलिप्रोएल 18.5 एससी 0.4 मिली/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। सभी छिड़काव कार्य भारी वर्षा वाले दिनों के बाद किए जाने चाहिए। हालाँकि, सभी रासायनिक प्रयोग और खेती के कार्य मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए किए जाने चाहिए।
काला चना	दलहनी फसलों की बुवाई पूरी कर लें। हल्की वर्षा वाले दिनों में पहले से बोई गई फसलों में निराई-गुड़ाई और विरलीकरण का कार्य नियमित रूप से करें। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और सभी कृषि कार्य मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें।
मूँग	दलहनी फसलों की बुवाई पूरी कर लें। हल्की वर्षा वाले दिनों में पहले से बोई गई फसलों में निराई-गुड़ाई और विरलीकरण का कार्य नियमित रूप से करें। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें और सभी कृषि कार्य मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए करें।
मूँगफली	मूंगफली में, बुवाई के 15-20 दिन बाद निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और खरपतवारों को रासायनिक रूप से नष्ट करने के लिए, पेंडीमेथालिन 30 ई.सी. की 3.3 लीटर मात्रा या एलाक्लोर 50 ई.सी. की 4 लीटर मात्रा को 500-700 लीटर पानी में घोलकर बुवाई के बाद और खरपतवारों के अंकुरण से पहले, केवल शुष्क परिस्थितियों में ही छिड़कना चाहिए। शेष जिप्सम और बोरेक्स की पूरी मात्रा को 3 सप्ताह पुरानी फसल में टॉप ड्रेसिंग के रूप में प्रयोग करें और हल्की गुड़ाई करके 3-4 सेमी गहराई तक अच्छी तरह मिलाएँ। किसी भी रासायनिक प्रयोग और खेती की गतिविधियाँ मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही करें।
तिल	फसल में निराई-गुड़ाई का कार्य किया जाना चाहिए और यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग इष्टतम मृदा नमी की स्थिति में की जानी चाहिए। सभी कृषि गतिविधियाँ पूर्वानुमान के अनुसार निर्धारित की जानी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी की मध्य-मौसम किस्मों की रोपाई की जा सकती है और अगेती किस्मों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। शुष्क दिनों में सभी कृषि गतिविधियाँ मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए की जानी चाहिए।
कद्दू	कद्दू वर्गीय फसलों पर अनियमित आकार के पीले धब्बे दिखाई देने पर, पत्तियों को पलटकर जाँच करनी चाहिए और यदि पत्तियों के निचले भाग में हल्के भूरे रंग का कवक उग रहा हो, तो उसे नियंत्रित

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	करने के लिए 2.5 ग्राम प्रति लीटर मैन्कोज़ेब के घोल का छिड़काव करना चाहिए। खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। मौसम के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए रसायन का छिड़काव करना चाहिए। पकी हुई कद्दू वर्गीय फसलों की कटाई करके उन्हें अच्छी तरह से संग्रहित करना चाहिए।
अमरूद	अमरूद के पौधों की ग्राफ्टिंग जारी रखें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	जल जनित रोगों से बचाव के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जाँच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए, संग्रहित पानी में 1:1000 के अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुरोधी दवाएँ डालें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। "फुटरोट" रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए।
गाय	जल जनित रोगों से बचाव के लिए पशुओं को दिए जाने वाले पानी की नियमित जाँच की जानी चाहिए। इससे बचने के लिए, संग्रहित पानी में 1:1000 के अनुपात में लाल दवा जैसी जीवाणुरोधी दवाएँ डालें। ब्लीचिंग पाउडर/क्लोरीन का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। "फुटरोट" रोग से बचाव के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले घोल में डुबोकर रखना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

जलभराव, बुवाई और छिड़काव कार्यों में व्यवधान।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

उचित जल निकासी की व्यवस्था की जानी चाहिए और भारी वर्षा की स्थिति में छिड़काव कार्य स्थगित कर देना चाहिए।

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details